आर्थिक कार्य विभाग के सहायक

2850. श्री प० ला० बारुपाल :
श्री हुक्म चन्द कछवाय :
श्री शिकरे :
श्री यु० द० सिंह :

क्या वित्त मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आर्थिक कार्य विभाग के उन सहायकों को भी, जो केवल अंग्रेजी का काम करते हैं, समय समय पर सहायक अनुवादक के रूप में काम करने को कहा जाता है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) : (क) और (ख). सहायक अनुवादकों का जो उल्लेख किया गया है वह समझ में नहीं आता। बजट के काम के दिनों में कुछ सहायक, जो सामान्यतः अंग्रेजी में काम करते हैं, बजट-पत्रों का हिन्दी संस्करण तैयार करने में सहायता देने के लिए हिन्दी सहायकों के रूप में नियुक्त कर दिये जाते हैं। उनकी नियुक्तियां विभागीय परीक्षा के आधार पर की जाती है, जो हिन्दी के काम के लिए उनकी योग्यता की जांच करने के लिए ली जाती हैं।

कार्यालयों में हिन्दी में काम काज

2851. श्री प० ला० बारुपाल :
श्री हुक्म चन्द कछवाय :
श्री शिकरे :
श्री यु० द० सिंह :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1961 में आर्थिक कार्य विभाग के हिन्दी अनुभाग में कितने विभागों का कार्य किया जा रहा था ;

(ख) हिन्दी अनुभाग द्वारा अब कितने विभागों का काम किया जा रहा है और उसके कारण काम कितना बढ़ गया है ; और

(ग) क्या बढ़ा हुआ काम पूरा करने के लिए हिन्दी कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि की गई है ?

वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) : अर्थ विभाग के हिन्दी अनुभाग में 1961 में तीन विभागों अर्थात अर्थ विभाग, व्यय विभाग और राजस्व विभाग से सम्बन्ध काम किया जाता था।

(ख) अर्थ विभाग के हिन्दी अनुभाग में अब दो विभागों अर्थात अर्थ विभाग और समन्वय विभाग से सम्बद्ध काम किया जाता है। अब जितने विभागों का काम किया जा रहा है उनकी संख्या यद्यपि 1961 की तुलना में कम है, तो भी काम का परिमाण लगभग दुगुना हो गया है। इस का कारण बहुत हद तक संसद संबंधी तथा बजट पत्रों की संख्या में वृद्धि है जिनका हिन्दी में अनुवाद करने की आवश्यकता होती है।

(ग) चूंकि अर्थ विभाग के हिन्दी अनुभाग में आने वाले काम पर मौसमी प्रभाव बहुत पड़ता है—बजट के दिनों में काम का परिमाण वर्ष के बाकी भाग की तुलना में बहुत ज्यादा बढ़ जाता है—इसलिए इसे निपटाने के लिए काम की अधिकता के दिनों में अतिरिक्त अस्थायी पदों की व्यवस्था की जाती है। बढ़े हुए काम को निपटाने के लिए इस प्रकार के अस्थायी पदों की संख्या बढ़ा दी गयी है। जहां तक नियमित कर्मचारियों की संख्या का संबंध है, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, लेकिन निरीक्षण संबंधी पदक्रमों (सुपरवाइजरी ग्रेड) को कुछ और सुदृढ़ कर दिया गया है। कर्मचारियों सम्बन्धी आवश्यकताओं का निर्धारण इससे पहले 1965 में कर्मचारी निरीक्षण एकक द्वारा किया गया था और आगे भी, आवश्यकता पड़ने पर, समय-समय पर जांच की जाती रहेगी।